देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 84 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
आय में अंतर कम करने पर जोर

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 2 जुलाई 2022

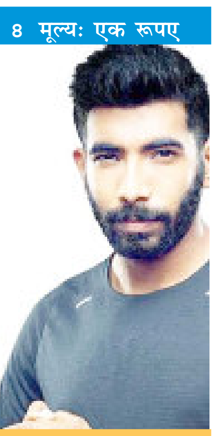

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 25.0°

40243.38

2 सबसे लंबा रूष्शा रेलवे ब्रिज तैयार
7 बुमराह ने सिक्का उछलते ही रचा इतिहास

बच्चों को मिलेगा सीखने का मौका

मुख्यमंत्री ने किया दो दिवसीय चिंतन शिविर का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई शिक्षा नीति पर पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को भारतीय शिक्षा प्रणाली से सीखने का मौका मिलेगा। शिक्षा विभाग की ओर से विभागीय अधिकारियों के लिए इंडियन पब्लिक स्कूल राजवाला देहरादून में दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री ने किया।

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि शिक्षा विभाग के इस चिंतन शिविर में जो चिंतन होगा, उसके आने वाले समय में सुखद परिणाम आयेंगे। उन्होंने सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने की चुनौती एवं गुणात्मक शिक्षा के उपायों पर इस शिविर में गहनता से मंथन किये जाय। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या घटने के कारणों एवं इसको बढ़ाने के लिए गहनता से ध्यान देने की जरूरत है। नौनिहालों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह शिक्षा नीति प्राचीन भारतीय सनातन ज्ञान और विचार की समृद्ध परंपरा के आलोक में तैयार की गयी है। इस नीति का लक्ष्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को विकसित करना है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्यों से परिपूर्ण हो। हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों को यथावत् लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य बनने जा रहा है।

सीएम ने कहा कि 09 नवम्बर 2025 को उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जंयती मनायेगा। शिक्षा विभाग तब तक बेस्ट प्रैक्टिस के तहत क्या कर सकता है, इस पर आज से ही ध्यान देना होगा। कोविड महामारी के कारण शैक्षिक हानि हुई है, वहीं दूसरी ओर बच्चों के मानसिक व्यवहार पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों के नियमित अनुश्रवण एवं प्रशासकीय कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों को भी वाहन देने अथवा मासिक रूप में धनराशि उपलब्ध कराने हेतु शिक्षा विभाग द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजा जाय, ताकि इस समस्या का निदान हो सके।

बालवाटिका एवं बालवाटिका अभ्यास पुस्तिका का विमोचन

मुख्यमंत्री धामी एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने एनईपी के अंतर्गत राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद देहरादून द्वारा तैयार बालवाटिका एवं बालवाटिका अभ्यास पुस्तिका का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी का कार्य है। जिस पर सभी की चिंतन और मनन करना होगा। उन्होंने कहा कि जब उत्तराखंड वर्ष 2025 में अपनी रजत जयंती मन रहा होगा तब प्रत्येक विभाग के पास अपनी–अपनी विशेष उपलब्धि होनी चाहिए।

नई शिक्षा नीति पर सीएम ने पीएम मोदी को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति एक क्रान्तिकारी परिवर्तन है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा के सभी स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए श्रेष्ठ मानव का निर्माण करना है।

तैयार किए जाएंगे विद्या समीक्षा केंद्र

विभागीय मंत्री डा रावत ने कहा कि राज्य में एक साल के भीतर विद्या समीक्षा केंद्र तैयार किए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार ने पांच करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए हैं। शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य में गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग की ओर से इंडियन पब्लिक स्कूल राजवाला देहरादून में दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए एक कदम विषय को केंद्रित करते हुए चिंतन शिविर में शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिया।

संक्षिप्त समाचार

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून की दस्तक के साथ ही झमाझम बारिश का दौर भी शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने उत्तर एवं मध्य भारत के कुछ हिस्सों और दक्षिण प्रायद्वीप के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से ज्यादा बारिश की भविष्यवाणी की है। आइएमडी की ओर से यह भी कहा गया है कि जुलाई महीने में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है।

यूक्रेन पर पीएम मोदी ने की पुतिन से बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बात की। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के साथ ही पुतिन की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा की।

आपकी वजह से जल रहा देश, माफी मांगें

सुको से नुपुर शर्मा को फटकार, कहा–दिल्ली पुलिस की भूमिका पर सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा को आज सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार पड़ी है। कोर्ट ने कहा कि निलंबित भाजपा नेता की बदजुबानी के चलते ही पूरे देश में आग लग गई और इसके कारण सुरक्षा को भी नुकसान पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नुपुर को पैगंबर मोहम्मद पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। बता दें कि नुपुर ने अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को जांच के लिए दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। नुपुर का कहना है कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं इसलिए वह अन्य राज्यों में पेशी के लिए नहीं जा सकती हैं। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने नुपुर को लताड़ लगाई है। सुको ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उदयपुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए भी उनके खिलाफ नाराजगी ही जिम्मेदार है, जहां एक दर्जी की हत्या कर दी गई थी। उन्हें टीवी पर जाकर देश से माफी मांगनी चाहिए थी, जिसके लिए उन्होंने काफी देर कर दी है।

...आपके लिए बिछाना चाहिए था रेड कार्पेट: शीर्ष न्यायालय में सुनवाई के दौरान जब नुपुर शर्मा के वकील ने कोर्ट से कहा कि वह जांच में शामिल हो रही है और भाग नहीं रही है, तो सुप्रीम कोर्ट ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वहां तो आपके लिए रेड कार्पेट होना चाहिए।

दिल्ली पुलिस को भी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को भी फटकार लगाई है। उन्होंने पूछा कि नुपुर शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस ने क्या किया। कोर्ट ने कहा नुपुर की शिकायत पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जाता है, लेकिन कई एफआईआर के बावजूद नुपुर को अभी तक दिल्ली पुलिस ने छुआ तक नहीं है।

कोर्ट ने अर्जी खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ नुपुर की उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ कई राज्यों में दर्ज सभी केसों को दिल्ली स्थानांतरित करने की अपील की थी। कोर्ट ने नुपुर के वकील को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट के पास जाने का सुझाव दिया है। इसके बाद नुपुर ने शीर्ष न्यायालय से याचिका वापस ले ली है।

अब हमारे साथ हैं 170 विधायक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनते ही एकनाथ शिंदे पूरे एक्शन में नजर आ रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि बाकी विधायक शनिवार को मुंबई आ जाएंगे। राज्यपाल ने तीन चार जुलाई को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 170 विधायक हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। हमारे पास विधानसभा में पूर्ण बहुमत है। मैं मुंबई जा रहा हूं। मैंने मुंबई में बारिश की स्थिति के बारे में मुंबई निगम आयुक्त से बात की है।

शिंदे ने गोवा में कहा कि सरकार किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम राज्य में विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। महाराष्ट्र में नवगठित एकनाथ शिंदे की सरकार को राज्य विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 4 जुलाई को विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र 3 और 4 जुलाई को होगा। 2 जुलाई को स्पीकर के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया जाएगा और 3 जुलाई को स्पीकर का चुनाव होगा। इसके अलावा 4 जुलाई को विश्वास मत लिया जाएगा।

पिछले साल कांग्रेस विधायक नाना पटोले के इस्तीफे के बाद अध्यक्ष का पद खाली है। एकनाथ शिंदे ने गुरुवार शाम को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उल्लेखनीय है कि शिवसेना के 40 बागी विधायकों के समर्थन का दावा करने वाले एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया, जिससे 31 महीने पुरानी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। मुख्यमंत्री पद से ठाकरे के इस्तीफे के एक दिन बाद, शिंदे और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने अपनी राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया।

दावा

■मुख्यमंत्री बनते ही एकनाथ शिंदे का बड़ा दावा

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

रक्षाक्षेत्र में भारत को बड़ी कामयाबी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। भारत ने रक्षा क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल की है। डीआरडीओ द्वारा विकसित मानवरहित एयरक्राफ्ट की पहली उड़ान का परीक्षण शुक्रवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में हुआ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, इससे जटिल मिलिट्री सिस्टम में आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त होगा।

डीआरडीओ के अंतर्गत बेंगलुरु स्थित रिसर्च लैब एयरोनाटिकल डेवलपमेंट एस्टैबलिशमेंट ने इसकी डिजायनिंग की है और इसे बनाया है। एयरक्राफ्ट के लिए इस्तेमाल हुआ एयरफ्रेम, एवियोनिक सिस्टम व अन्य चीजों का निर्माण देश में ही किया गया है।

इससे पहले बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण स्थल से स्वदेश विकसित उच्च गति के साथ विस्तारित लक्ष्य वाले मानव रहित विमान अभ्यास का सफल परीक्षण किया गया। हालांकि इस विमान ने कम ऊंचाई पर उड़ान भरी।

मानवरहित विमान अभ्यास का हुआ सफल परीक्षण

न्यूज डायरी

चीन ने पाकिस्तान के इशारे पर भारत के जी–20 प्लान का किया विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। जम्मू–कश्मीर में अगले साल होने वाले जी–20 सम्मेलन के कुछ कार्यक्रम कराने की भारत की योजना से भड़के पाकिस्तान को अब चीनी ड्रैगन का खुलकर साथ मिल गया है। यही नहीं चीन दोगलापन भी दुनिया के सामने आ गया है। चीन ने गुरुवार को भारत के जी–20 सम्मेलन की योजना पर विरोध जताया और पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि भारत इस बैठक को राजनीतिक रूप देने से बचे। वहीं चीन से जब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर परियोजना को लेकर सवाल पूछा गया तो उसने दावा किया कि यह पूरी तरह से अलग मामला है और आजीविका बढ़ाने के लिए है।

दक्षिण एशियाई देशों को डब्ल्यूएचओ ने चेताया वैक्सीनेशन में तेजी लाने पर दिया जोर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को दक्षिण पूर्व एशिया को कोरोना वैक्सीनेशन के कवरेज की स्पीड बढ़ाने को कहा है। दरअसल इन इलाकों में एक बार फिर से कोरोना मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कोविड–19 संक्रमण से बचाव के लिए यहां लोगों का वैक्सीनेशन जारी है। डब्ल्यूएचओ की ओर से जारी बयान में कहा गया अनेकों देश वैश्विक लक्ष्य से पीछे हैं। इन देशों में जून के अंत तक वैक्सीन का पहला डोज 70 फीसद आबादी को मिल जाना था। दक्षिण पूर्व एशिया में डब्ल्यूएचओ की रीजनल डायरेक्टर पूनम खेतरपाल सिंह ने कहा, हमें पता है कि मौजूदा कोरोना वैक्सीन घातक कोरोना वायरस से बचाने में कारगर है। हमें वैक्सीनेशन कवरेज को बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। साथ ही इसके तहत हेल्थवर्करों, बुजुर्गों, बीमार व्यस्कों और गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता देनी होगी। महामारी खत्म नहीं हुई है, हमें कम्युनिटी की सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा। उन्होंने कोरोना वैक्सीन की प्राइमरी सीरीज को पूरा करने वाले देशों को बधाई दी।

दक्षिण अफ्रीका में मिला दुर्लभ प्रजाति का दोमुंहा सांप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका में दो सिर वाला सांप मिला है। इस सांप को पकड़ कर बचाने वाले व्यक्ति ने इसे अपने कैरियर का सबसे विचित्र ऑपरेशन बताया। डर्बन में एक व्यक्ति को उसके बगीचे में ये सांप मिला है। जब उसने सांप को देखा तो वह पूरी तरह डर गया। उसने तुरंत सांप पकड़ने वाले निक इवांस को बुलाया। इवांस ने यहां ब्राउन एग ईटर स्नेक को देखा, जिसे देख कर वह हैरान रह गए। ऐसा इसलिए क्योंकि इस सांप के दो मुंह थे। कोई भी इसे पहली नजर में देखता तो उसका भयभीत होना जायज था। इवान ने कहा कि जिस आदमी के बगीचे में यह सांप मिला है उसके लिए ये चिंता की बात नहीं थी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मैं जितना हैरान था उतना ही हैरान वह शख्स भी हुआ होगा। जिस शख्स के बगीचे में यह सांप मिला था उसी ने इसे पकड़ लिया था। इवान ने कहा, श्वह ये नहीं चाहता था कि कोई भी इसे नुकसान पहुंचाए, इसीलिए उन्होंने सांप को एक बोतल में डाल दिया।

येर लैपिड बने इजराइल के 14वां प्रधानमंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजराइल को येर लैपिड के रूप में अपना 14वां प्रधानमंत्री मिल गया है। हालांकि इजराइल के राजनीतिक संकट आने के बाद संकट मोचक बने लैपिड का कार्यकाल छोटा हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने 1 नवंबर को होने वाले इजराइल के चुनाव से पहले कार्यवाहक प्रधानमंत्री की कमान संभाली है। लैपिड ने वैकल्पिक प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से सत्ता की चाबी लेते ही हैंडओवर समारोह में कहा कि हम एक यहूदी लोकतांत्रिक देश हैं और इसे संपन्न बनाने के लिए सबसे बेहतर प्रयास करेंगे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने लैपिड को नया प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी है। ट्विटर पर लिखते हुए उन्होंने कहा, इजरायल के नए प्रधानमंत्री को बधाई। बाइडन ने एक और ट्वीट में कहा कि मैं यूएस–इजराइल की अटूट साझेदारी का जश्न मनाने के लिए जुलाई में आप दोनों को देखने के लिए उत्सुक हूं।"

सबसे लंबा रूप्शा रेलवे ब्रिज तैयार, पूर्वोत्तर को बड़ा फायदा

फायदा

भारत की मदद से सच हुआ बांग्लादेश का सपना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। पदमा के बाद अब बांग्लादेश की जनता को मिला एक और शानदार ब्रिज मिल गया है। चीन ने जहां पदमा ब्रिज का निर्माण किया था, वहीं भारत की आर्थिक मदद से बने रूप्शा रेलवे ब्रिज का निर्माण कार्य भी 25 जून को पूरा हो गया। यह ब्रिज बांग्लादेश का सबसे लंबा रेलवे ब्रिज बताया जा रहा है। इस ब्रिज के निर्माण में कई चुनौतियां आईं लेकिन अंततरू यह बनकर पूरा हो गया है। बांग्लादेश में भारतीय दूतावास ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। यह ब्रिज खुलना–मोंगला बंदरगाह रेलवे लाइन का प्रॉजेक्ट का हिस्सा है।

भारत सरकार ने इस पुल के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट दिया था। भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इस पुल को 4000 करोड़ बांग्लादेशी टका के खर्च से बनाया गया है। माना जा रहा है कि इस महीने से बांग्लादेश के इस सबसे बड़े रेल पुल पर ट्रेनें दौड़ने लगेंगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस पुल के बन जाने से अब बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को काफी गति मिलेगी। यही नहीं सुंदरबन में टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय कंपनी लर्हसन एंड टूब्रो ने रूप्सा नदी पर बनाया पुलः इस रेल पुल की मदद से अब मोंगला बंदरगाह तक सामानों की आवाजाही बढ़ जाएगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोत्तरी होगी। इसमें देश के दक्षिणी पश्चिमी इलाके का औद्योगीकरण बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पुल के बन जाने के बाद अब भारत, नेपाल और भूटान को सामानों की सप्लाइ बहुत आसानी से और कम दाम में हो सकेगी। यही नहीं बांग्लादेश और भारत, भूटान, नेपाल के पर्यटक आसानी से सुंदरबन की यात्रा कर सकेंगे। यह पूरा खुलना– मोंगला रेलवे प्रॉजेक्ट 3 भागों में बंटा हुआ है।

इस परियोजना के तहत रेलवे लाइन की कुल लंबाई 86.87 किमी होगी। भारतीय कंपनी लॉर्सन एंड टूब्रो ने रूप्सा नदी पर बने इस पुल को बनाया है। वहीं बाकी के हिस्से को भारतीय कंपनी इरकान इंटरनैशनल ने बनाया है। इस पूरे प्रॉजेक्ट में आए खर्च में जमीन का अधिग्रहण और रेलवे लाइन का निर्माण शामिल है। यह बांग्लादेश का सबसे लंबा रेलवे ब्रिज है। इस पुल को बनाने का काम साल 2017 में शुरू हुआ था।

सऊदी अरब–यूएई की नजर में भी डस्टबिन है पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान दुनिया का डस्टबिन बनता जा रहा है। पाकिस्तान जिन देशों को अपना भाई बोलता है, वह भी उसे एक कूड़ाघर समझने में पीछे नहीं हैं। पाकिस्तान में सऊदी और यूएई जैसे देश अपना कचरा भेज रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जलवायु परिवर्तन पर सीनेट की स्थाई समिति टॉप 10 देशों के पाकिस्तान में कचरे के निर्यात के आंकड़े देख कर हैरान रह गई। पाकिस्तान को अपना कचरा भेजने वाले टॉप 10 देशों में यूनाइटेड किंगडम, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, बेल्जियम, जर्मनी, स्पेन, कनाडा और इटली शामिल हैं।

पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद इंपोर्टेड सरकार की बात हो रही थी। लेकिन अब इंपोर्टेड वेस्ट्श शब्द ने समिति के लोगों को हैरान कर दिया। कमेटी के एक सदस्य ने पूछा कि पाकिस्तान ने कभी भी इंपोर्टेड कचरे को लेकर आपत्ति क्यों नहीं की? ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर सीनेटरों को इस बात का पता ही नहीं था कि पाकिस्तान विकसित देशों का डंपिंग ग्राउंड बना हुआ है। एक सीनेटर ने पूछा कि हम कचरा आयात क्यों कर रहे हैं, ये कब से चल रहा है।

यूक्रेन जंग के 128 वें दिन जोरदार मिसाइल हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन जंग के 128वें दिन रूस ने यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा पर भीषण मिसाइल हमला किया है। रूस ने यह हमला ऐसे पर किया है जब उसे काला सागर में ओडेसा बंदरगाह के पास स्थित स्नेक आइलैंड से अपनी सेना को वापस बुलाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। रूस ने इस हार का बदला लेने के लिए ओडेसा पर जोरदार मिसाइल हमला किया है जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। हमले में एक बहुमंजिला इमारत बर्बाद हो गई। रूस के स्नेक आइलैंड से हटने से अब यूक्रेन अपने गेहूं का कुछ निर्यात कर सकेगा।

कंगाल पाकिस्तान को दोस्त तालिबान का बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। कंगाली की हालत से गुजर रहे पाकिस्तान को अब दोस्त तालिबान ने बड़ा झटका दिया है। पाकिस्तान की शहबाज सरकार बढ़ती महंगाई से बचने के लिए अफगानिस्तान से सस्ता कोयला मंगाना चाहती थी। तालिबान को जब पाकिस्तान के इस फैसले की इसकी भनक लगी, उसने अफगानी कोयले के दाम में 30 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। तालिबान के इस दांव से पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अब अपने नागरिकों को महंगी बिजली देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पाकिस्तान में इस भारी बिजली

पाकिस्तान विदेशी मुद्रा की भारी कमी से गुजर रहा

कटौती चल रही है जिससे जनता परेशान है और कई जगहों पर प्रदर्शन हुए हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान सरकार अफगानिस्तान से कोयला लेना चाहती थी। अब अफगानिस्तान के वित्त मंत्रालय ने कोयले के दाम को 90 डॉलर प्रति टन से बढ़ाकर 200 डॉलर प्रति टन कर दिया है। अफगान मंत्रालय ने कहा कि दुनियाभर में कोयले के दाम में बढ़ने की वजह से उन्होंने यह दाम बढ़ाया है। उधर, शहबाज शरीफ उम्मीद लगाए बैठे थे कि अफगानिस्तान से सस्ते कोयले के आयात से 2 अरब डॉलर की बचत होगी।

पाकिस्तान इस समय कतर के एलएनजी की बढ़ती कीमतों से काफी परेशान है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि उच्च गुणवत्ता वाले इस अफगानी कोयले से न केवल सस्ती बिजली मिलेगी बल्कि देश बहुत जरूरी विदेशी मुद्रा भी बचेगी। पाकिस्तान इन दिनों विदेशी मुद्रा की भारी कमी से गुजर रहा है। शहबाज सरकार ने डॉलर की बजाय पाकिस्तानी रुपये में इस कोयले के आयात को मंजूरी दी थी ताकि सस्ती बिजली पैदा हो सके।

इस बीच तालिबान के मुताबिक कोयले के दाम बढ़ाने का मकसद टैक्स से आय बढ़ाना और देश के लिए राजस्व पैदा करना है।

नाटो में रहते हुए भी तुर्की ने कई बार किया है अमेरिका का खुला विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन की जंग में नाटो ने एक अहम भूमिका निभाई है। इस संगठन के खिलाफ जहां रूस पहले से ही मुखर रहा है वहीं एक और देश भी है जिसने एक नहीं कई बार इस संगठन के फैसलों का विरोध खुलकर किया है। इस देश का नाम है तुर्की। ये देश नाटो का काफी पुराना सदस्य देश भी है। इसके बावजूद भी इस संगठन के कई फैसलों का तुर्की ने समर्थन नहीं किया है। बता दें कि इस संगठन में शामिल अमेरिका के बाद तुर्की की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। एक मजबूत राष्ट्र होने के बाद भी तुर्की नाटो को अपनी सुरक्षा के लिए बेहद खास मानता है। वहीं दूसरी तरफ कई फैसलों में इस संगठन के खिलाफ जाने के बावजूद अमेरिका को इसको सहन करना बड़ी मजबूरी भी बन चुकी है। मौजूदा परिस्थिति में भी देखें तो तुर्की ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का विरोध तो किया है लेकिन साथ ही उसने जंग को खत्म करने और बातचीत की राह खोलने के भी कई बार प्रयास किए हैं।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

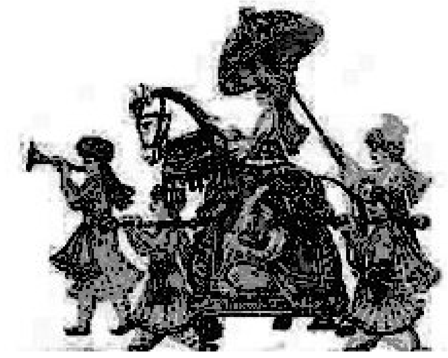

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बागेश्वर में बारिश थमी, लेकिन 18 सड़कें अब भी है बंद

दिक्कतें

चीन सीमा से भी संपर्क कटा, अब भी यातायात के लिए सुचारु नहीं

संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर जिले में बारिश का दौर थम गया है, लेकिन एक जिला मार्ग समेत 17 ग्रामीण मार्ग अब भी यातायात के लिए सुचारु नहीं हो सके हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। आसमान में बादल छाते ही फिर भूस्खलन और मलबा गिरने का भय बना हुआ है। चीन सीमा तक जाने वाले मार्ग के बंद होने से उच्च हिमालय जाने के लिए इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी है।

बीते 29 और 30 जून को कपकोट, दुगनाकुरी तहसील क्षेत्र में अतिवृष्टि हुई। जिसके जख्म अभी नहीं भर सके हैं। जिसके कारण 18 सड़कों पर अभी यातायात सुचारु नहीं हो सका है। शुक्रवार को कमेड़ीदेवी, असों–बकसूना, नामतीचेटाबगड़, असों–बैड़ापाकड़, हरसिंग्याबगड़ विनायक गोगिना, पोथिंग–शोभाकुंड, कपकोट–गैरखेत, गडेरा, झारकोट सुंदिल–जुन्याल, कटपुड़ियाछीना, जैसर–रियूनीलखमार, खातीगांव देवतोली, हरसिला–पुड़कुनी, बड़ीपन्याली–तोली, सनेती, कपकोट कर्मी, बैड़ा–मझेड़ा–जारती समेत 17 ग्रामीण और एक जिला मार्ग बंद रहे।

इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोकः धारचूला। मौसम विभाग की चेतावनी और चीन सीमा तक जाने वाले मार्ग के बंद होने से उच्च हिमालय जाने के लिए इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी है। आदि कैलास यात्रा पर जा रहा दल धारचूला में ही रोका गया है।

आदि कैलास और ओम पर्वत को जाने वाला तवाघाट–लिपुलेख मार्ग तवाघाट से मालपा तक बंद हो चुका है।मलगाड़ के पास पहाड़ की तरफ से पत्थर और मलबा गिर रहा है। मार्ग पर खतरा बना हुआ है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने इनर लाइन परमिट जारी करने बंद कर दिए हैं। प्रशासन के अनुसार खतरे को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इनर लाइन परमिट जारी नहीं होने से आदि कैलास जा रहे पंद्रहवें दल के यात्री धारचूला में ही प्रवास कर रहे हैं।

वहीं चीन सीमा को जोड़ने वाला तवाघाट–सोबला–दारमा मार्ग तवाघाट से कंच्योती के बीच खेत व एक अन्य स्थान पर मलबा आने से बंद हो गया है। जिसके चलते उच्च हिमालयी दारमा का भी सम्पर्क भंग है। व्यास मार्ग पूर्व में ही बंद हो चुका है। खेत नामक स्थान पर मार्ग बंद होने से चौदास घाटी , नारायण आश्रम का भी सम्पर्क कट चुका है।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने वरिष्ठ लेखक आरके वर्मा के निधन पर शोक जताया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के आरिफ वारसी और दिशा संस्था के उपाध्याय प्रभात डंडरियाल ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए डॉक्टर डे के अवसर पर जनपद के समस्त डाक्टरों चिकित्सकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वारसी और डंडरियाल ने सरकार से भी मांग कि है कि वह डॉक्टरों के उत्थान हेतु काम करें। साथ ही संघर्ष समिति ने वरिष्ठ लेखक, साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर आरके वर्मा जी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। समिति ने कहा कि आज हमने जनपद के महान पत्रकार साहित्यकार और फिल्म निर्माता निर्देशक को हमेशा के लिए खो दिया है जिसकी पूर्ति होना असंभव है वह एक पत्रकार और फिल्म निर्माता के अलावा एक बेहतर इंसान थे जिनको कभी भुलाया नहीं जा सकता।

एक्म्स ड्रग्स को दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए ईयू जीएमपी की मिली मंजूरी

संवाददाता हरिद्वार। भारत की प्रमुख कॉन्ट्रेक्ट मैन्युफैक्चरिंग फार्मास्युटिकल कंपनी एक्म्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेडश ने हाल ही में हरिद्वार में अपनी दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के लिए प्रतिष्ठित यूरोपीय यूनियन (ईयू) के कड़े गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) की मंजूरी हासिल की है। इस प्रतिष्ठित मंजूरी के बाद एक्म्स को यूरोपीय और अन्य कड़े नियामक बाजारों में कम्पनी की उपस्थिति को स्थापित करने का मौका मिल गया है। कम्पनी को मिली यह मंजूरी एक्म्स के क्वालिटी फर्स्ट दृष्टिकोण का सम्मान है। इस दृष्टिकोण का समर्थन सभी शीर्ष भारतीय और मल्टी नेशनल दवा कंपनियों द्वारा किया जाता है।

टोयोटा ने भारत में प्रतिष्ठा वाले बी–एसयूवी सेगमेंट में किया प्रवेश

संवाददाता देहरादून। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत में बी एसयूवी सेगमेंट में नए अर्बन क्रूजर हाई राइडर का अनावरण किया। यह टोयोटा की पहली सेल्फ–चार्जिंग स्ट्रांग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक एसयूवी है जो भारत में अपनी तरह की पहली, बी एसयूवी सेगमेंट में है। टोयोटा की टिकाऊ मोबिलिटी पेशकशों में से एक के रूप में, अर्बन क्रूजर हाई राइडर को अपनी बोल्ड और परिष्कृत स्टाइल तथा उन्नत तकनीकी विशेषताओं के साथ टोयोटा की वैश्विक एसयूवी श्रृंखला में होना उसकी विरासत है, जो इसे इस सेगमेंट में एक आदर्श विकल्प बनाती है। नया मॉडल एक शानदार शांत केबिन के साथ सर्वोच्च प्रदर्शन और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता प्रदान करता है, इससे नई एसयूवी भारतीय कार खरीदार की विविध आवश्यकताओं के लिए एक आदर्श मेल बन जाती है।

नशाखोरी के खिलाफ एक ओर स्मैक तस्कर को पुलिस ने दबोचा

8.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद, मोरी ले जा रहा था बेचने

संवाददाता पुरोला। नशामुक्त उत्तरकाशी अभियान के तहत एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने सीओ सुरेंद्र सिंह भंडारी,थानाध्यक्ष अशोक कुमार के नेतृत्व में गत देर सांय पुरोला मुख्यालय से करीब 3 किमी गुंडाडा बैंड मोरी रोड पर चौकिंग के दरमियान 8.30 ग्राम स्मैक के साथ जसपाल राणा पुत्र सोबन सिंह राणा निवासी नैटवाड़,मोरी को अवैध स्मैक के साथ धर दबोचा जब वह न07DS–7826 स्कूटी से पुरोला से मोरी की ओर जा रहा था।

स्मैक तस्कर जसपाल राणा के पास 8.30 ग्राम स्मैक बरामद की गई जिसकी कीमत लगभग 83 हजार बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ पर आरोपित ने कबूल किया कि वह देहरादून से स्मैक खरीद कर अच्छे मुनाफे में मोरी,नैटवाड़ आदि स्थानों में बेचता है। स्मैक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर एनडीपीएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर अग्रिम कार्यवाही गतिमान है।

थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि चेकिंग के दौरान मोरी रोड में घुंडाड़ा बैंड के समीप जसपाल राणा पुत्र सोबन सिंह राणा के पास 8.30 ग्राम स्मैक बरामद हुई,मुकदमा दर्ज किया गया है आगे की कार्यवाही गतिमान है।

बरामदगी टीम में एसआई देवेंद्र पंवार,कॉन्स्टेबल सत्यपाल,मुकेश तोमर,अजयदत्त,अनिल व औसफ खान थे।

बरसात ने खोली आपदा नियंत्रण तैयारियों की पोल

संवाददाता बागेश्वर। बरसात ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। जिससे सिस्टम की काहिली भी उजागर हो रही है। भूस्खलन से प्रभावित कपकोट के कुंवारी गांव के लोगों का 2013 से अब तक विस्थापन नहीं हो सका है। वहीं, सुमगढ़ शिशु मंदिर में 18 अगस्त 10 में आई आपदा से 18 बच्चे जिंदा जमींदोज हो गए थे। वर्तमान में बारिश के लिए जिले को अलर्ट किया गया है। बारिश से सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों को हो रहा है। रास्ते भूस्खलन की भेंट चढ़ गए हैं। खड़िया खदान क्षेत्रों से बारिश के साथ बहकर आने वाला मलबा भी ग्रामीण इलाके के लिए सिरदर्द बना है। सरयू और गोमती नदी किनारे बसे नगर को भी नदियों में बढ़ रहे पानी से खतरा मंडराने लगा है।

दस हजार आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा न मिल पाना चिंता का विषय

■ **मशीनें पड़ी–पड़ी फांक रही धूल**
■ **अल्ट्रासाउंड मशीनों को चलाने वाले डॉक्टर तक नहीं**

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत तहसील क्षेत्र डीडीहाट के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में स्वास्थ सेवा लडखडानें लगी है। बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में स्वास्थ सेवा राम भरोसे चल रही है। जानकारी जो हाथ लगी है उसके मुताबिक स्वास्थ केन्द्र में अल्ट्रासाउंड मशीनों को चलाने वाले डॉक्टर तक नही है। वही जो मशीनें काम की है वे मशीने पड़ी–पड़ी धूल फांक रही है। आलम यह है कि सीमांत तहसील की दस हजार आबादी को सरकारी स्वास्थ सेवा के नाम पर छला जा रहा है।

स्वास्थ केन्द्र में इलाज के लिए दूर दराज से आने वाले बीमार मरीजों को ऐसे हालातों में जिला मुख्यालय के अस्पताल में मजबूरी में आना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में जनरेटिक दवाओं का भी टोटा है। क्षेत्र में लंबे समय से बाल चिकित्सक व महिला चिकित्सक का पद खाली पड़ा हुआ है।

दस हजार से अधिक आबादी वाले क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में चिकित्सकों की कमी मरीजों पर भारी पड़ती नजर आ रही है। बीमार मरीजों को इलाज कराने के लिए 40 किमी दूर जिला मुख्यलय आने को विवश होना पड़ रहा है।

बता दें कि क्षेत्र के लोगों में अस्पताल की बदहाली को लेकर खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र स्वास्थ सेवाओं में सुधार नहीं किया गया तो वे लोग आंदोलन करने को बाध्य होगे। अल्ट्रासांड मशीनें भी बिना डाक्टर के अभाव में चलने वाला कोई भी मौजूद नही है। क्षेत्र के लोगों ने लच्चर हो चुकी स्वास्थ सेवाओं को लेकर खासा आक्रोश जताया है। क्षेत्र के लोगों ने जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक शिकायती पत्र सौपा है।

वहीं लोगों ने यथाशीघ्र क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में स्वास्थ सेवा चाकचौबंध करने की मांग की है। नाराज लोगो ने क्षेत्र के विधायक बिशन सिंह चुफाल पर क्षेत्र की उपेक्षा किये जाने की बात कही है।

प्रो. नौटियाल बने पर्यावरण संस्थान कोसी के नए निदेशक

संवाददाता अल्मोड़ा। प्रो. सुनील नौटियाल ने गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल में निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। नियुक्ति के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताई। पदभार ग्रहण करने से पूर्व प्रो. नौटियाल बंगलुरु स्थित सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान के पारिस्थितिक अर्थशास्त्र और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रहे। उन्होंने अपना शोध कार्य पीएचडी गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल में प्रो. आरके मैखुरी के दिशा निर्देशन में किया। 1998–99 में उन्होंने एनबीएन गढ़वाल विश्वविद्यालय से डाक्टेट की उपाधि प्राप्त की। प्रो. नौटियाल की विशेषज्ञता सामाजिक पारिस्थितिकी शोध में है। जलवायु परिवर्तन और सामाजिक पारिस्थितिकी विकास की गतिशीलता जैसे शोध विषय शामिल हैं। अभी तक वह 180 से अधिक शोध पत्र और लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

भले ही दुष्ट व्यक्ति के साथ आप कितनी भी भलाई करे, वह दुष्टता नहीं छोड़ता और समय पड़ने पे आप का बुरा करने से भी नहीं चूकता। –अज्ञात।

देहरादून, शनिवार, 2 जुलाई 2022

पेज थ्री

www.page3news.in

आय में अंतर कम करने पर जोर

रिपोर्ट में यह बात रेखांकित की गई है कि देश में आय वितरण की पहले से ही असंतुलित स्थिति धीरे–धीरे और बदतर होती जा रही है। हालांकि रिपोर्ट में जिन आंकड़ों के सहारे यह बात कही गई है, उनसे तस्वीर ज्यादा असंतुलित नहीं नजर आती।

राधा वर्मा।।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में आया यह सुझाव महत्वपूर्ण है कि देश में आय की जबर्दस्त विषमता को कम करने के लिए यूनिवर्सल बेसिक इनकम और शहरी रोजगार गांरटी योजनाएं शुरू की जाएं। रिपोर्ट में यह बात रेखांकित की गई है कि देश में आय वितरण की पहले से ही असंतुलित स्थिति धीरे–धीरे और बदतर होती जा रही है। हालांकि रिपोर्ट में जिन आंकड़ों के सहारे यह बात कही गई है, उनसे तस्वीर ज्यादा असंतुलित नहीं नजर आती। मिसाल के तौर पर, इसमें पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के तीन दौर के रिजल्ट्स के हवाले से बताया गया है कि 2017–18 से 2019–20 तक के तीन सालों में कुल कमाई में आबादी के टॉप 1 फीसदी का हिस्सा 6–7 प्रतिशत था। ज्यादा सटीकता से कहा जाए तो यह हिस्सा तीन वर्षों में 6.14 फीसदी से बढ़कर 6.82 फीसदी हुआ था। अगर कमाई में बढ़ोतरी की बात करें तो इन तीन वर्षों में आबादी के टॉप 1 फीसदी हिस्से की आय 15 फीसदी बढ़ी जबकि आबादी के सबसे निचले 10 फीसदी हिस्से की आय में 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इन आंकड़ों के बरक्स हम पिछले साल दिसंबर में जारी वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट 2022 को रखें तो हालात कहीं ज्यादा गंभीर नजर आते हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में देश में कुल आमदनी का 22 फीसदी हिस्सा टॉप एक फीसदी आबादी के खाते में था। टॉप 10 फीसदी आबादी कुल आमदनी के 57 फीसदी हिस्से पर काबिज थी। नीचे की 50 फीसदी आबादी को राष्ट्रीय आय के महज 13 फीसदी हिस्से पर संतोष करना पड़ रहा था। आश्चर्य नहीं कि इस वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट में भारत को दौलतमंद इलीट वाला गरीब और बेहद असमान देश बताया गया था। बहरहाल, ब्योरे में जो भी फर्क हो, निष्कर्ष में कोई अंतर नहीं है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने भी स्थिति को गंभीर मानते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। हालांकि यूनिवर्सल बेसिक इनकम योजना शुरू करने की बात कोई नई नहीं है। वित्त वर्ष 2017 के आर्थिक सर्वे में तत्कालीन मुख्य वित्तीय सलाहकार अरविंद सुब्रमणियन की यह सलाह दर्ज की गई थी कि सब्सिडी के लंबे चौड़े खर्च के बदले यूनिवर्सल बेसिक इनकम योजना शुरू की जाए ताकि हर व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ आमदनी सुनिश्चित की जा सके। बाद में आईएमएफ ने भी फूड और फ्यूल सब्सिडी के बदले यूनिवर्सल इनकम स्कीम शुरू करने के सुझाव पर जोर दिया था। इससे कहीं न कहीं यह आशंका भी बनती है कि प्रस्तावित स्कीम लोगों की आमदनी में अंतर घटाने के बजाय सब्सिडी से छुटकारा दिलाने के उद्देश्यों तक सीमित न रह जाए। मगर मनरेगा की तर्ज पर शहरी रोजगार गारंटी योजना जरूर समय की जरूरत है। इससे जहां असंगठित क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आजीविका मिलेगी, वहीं इकॉनमी में डिमांड बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

घमंडी और आत्मकेंद्रित

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा।

बुद्ध बोले, "मैं ज्ञानी नहीं हूँ, और इनसान हूँ। वैसे भी वह ज्ञान किस काम का, जो इतना घमंडी और आत्मकेंद्रित हो कि अपने अतिरिक्त दूसरे की चिंता ही न कर सके? ऐसा ज्ञान तो अज्ञान से भी बुरा है। बुद्ध की बातें सुनकर व्यक्ति की उलझन दूर हो गई। उस दिन से उसकी सोच व आचरण दोनों बदल गए। कथा का सार यह है कि ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब वह लोक कल्याण में संलग्न हो। उसने सोचा कि इन्हें दुनियादारी के मामलों में पड़ने से क्या लाभ? अपना भगवद् भजन करें और बुनियादी समस्याओं से ग्रस्त इन लोगों को भगाएँ, किंतु बुद्ध का व्यवहार देखकर तो ऐसा लग रहा था मानो इन लोगों का दुःख उनका अपना दुःख है।

आखिर उस व्यक्ति ने पूछ ही लिया, "महाराज आपको इन सांसारिक बातों से क्या लेना–देना?

संपादकीय

सामरिक जरूरत

ऐसे दौर में जब चीन ने भारत पर जबर्दस्त सामरिक दबाव बनाया हुआ है, क्वाड में भारत की सक्रिय भागीदारी उसकी सामरिक जरूरत है। रूस और चीन की भागीदारी वाले पांच देशों के संगठन ब्रिक्स की उपेक्षा कर क्वाड के साथ मुस्तैदी से खड़ा होना भारत के दीर्घकालीन सामरिक हितों के हक में है। क्वाड के चारों सदस्य देशों का इतनी जल्दी–जल्दी मिलना संकेत देता है कि दुनिया के चारों ताकतवर देश चीन द्वारा पेश की जा रही सामरिक और आर्थिक चुनौतियों का मिल–जुलकर मुकाबला करने के लिए सक्रिय हैं। इस बात की आशंका थी कि यूक्रेन संकट में क्वाड को लपेटने से क्वाड का फोकस हिंद–प्रशांत के इलाके से हट जाएगा। लेकिन भारत की सक्रिय भागीदारी ने यह सुनिश्चित किया कि इस संगठन में इसी इलाके के मसलों पर मुख्य चर्चा हो। इसमें भारत की सक्रिय भागीदारी होना बताता है कि हिंद–प्रशांत इलाके में भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। क्वाड के गठन के पहले से ही हिंद–प्रशांत के दक्षिण चीन सागरीय इलाके में चीन की दादागीरी के खिलाफ भारत निडर होकर आवाज उठाता रहा है। तोक्यो में जारी साझा बयान में भी इसी बात पर और जोर दिया गया। लेकिन भारत को क्वाड के कंधे की आड़ लेकर नहीं, बल्कि अपने दम पर चीन से मुकाबला करने के लिए अपने आपको आर्थिक और सामरिक तौर पर और सशक्त बनाना होगा।

हिंद प्रशांत के सागरीय इलाके में सारे नियम कानूनों को तोड़ते हुए चीन जिस अंधाधुंध तरीके से मछलियां पकड़ रहा है, वह समुद्री जीवन के लिए तो खतरा है ही, समुद्री पर्यावरण को भी बिगाड़ रहा है।

चीन अपने ही इलाके में अलग–थलग

पूनम पाण्डे।।

चार देशों के संगठन क्वाड (अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान) की यूक्रेन संकट की छाया में हुई चौथी शिखर बैठक में जोर चीन की आर्थिक चुनौतियों से मुकाबला करने पर रहा। चीन छोटे देशों को अपने आर्थिक मोहपाश में फांस कर अपना सामरिक जाल फैलाता है। इसी जाल को तोड़ने के इरादे से क्वाड शिखर बैठक में क्षेत्र के 12 देशों को साथ लेकर इंडो पैसिफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क का एलान किया गया। इस तरह क्वाड ने यूक्रेन संकट पर अपना ध्यान केंद्रित करने के बदले चीन की आर्थिक और सामरिक चुनौतियों से निपटने पर ही अधिक चर्चा की और ठोस कार्यक्रम के साथ संकल्प जाहिर किए।

23–24 मई को तोक्यो में आयोजित शिखर बैठक में आर्थिक क्षेत्र में चीन की महाजनगीरी से निपटने के लिए जो साझा कार्यक्रम घोषित किए गए, अगर उन्हें गंभीरता और सक्रियता से लागू किया जाए तो निश्चय ही चीन के सामरिक और आर्थिक प्रभुत्व को तोड़ने या सीमित करने में कामयाबी मिल सकती है। अगर ऐसा हो गया तो चीन अपने ही इलाके में अलग–थलग पड़ जाएगा। यही वजह है कि चीन ने क्वाड शिखर बैठक पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है।

चीन अपनी आर्थिक ताकत के बल पर ही

दुनिया के छोटे देशों के गैर–जनतांत्रिक नेताओं को नाजायज तरीके से प्रभावित करता है। वह पहले से ही उन देशों को विकास का सपना दिखा कर उन्हें अपने प्रभाव में लाने की रणनीति पर चलता रहा है। इसके अलावा निर्माण उद्योग के क्षेत्र में दुनिया के उद्योगों को जरूरी कच्चा माल और कलपुर्जे आदि सप्लाई करने का एक प्रमुख स्रोत बनने के बाद वह दुनिया पर अपना आर्थिक दबदबा भी कायम करने में कामयाब हुआ है। लेकिन अब क्वाड के चार सदस्य देशों ने इस सप्लाई कड़ी को तोड़ने के इरादे से कई अहम कार्यक्रमों की शुरुआत की है।

चारों देश क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नलॉजी ग्रुप बनाकर सेमीकंडक्टर चिप्स जैसे उच्च तकनीक के कलपुर्जों की सप्लाई पर चीन के एकाधिकार को तोड़ने में परस्पर सहयोग करेंगे। भारत के लिए इन उच्च तकनीक वाले कलपुर्जों की दुनिया को सप्लाई का वैकल्पिक स्रोत बनने की संभावना है। इसके साथ ही चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई– जो छोटे देशों में सड़क, रेल जैसी ढांचागत परिवहन सुविधाएं बनाती है) के विकल्प के तौर पर क्वाड में इंफ्रास्ट्रक्चर कोआर्डिनेशन ग्रुप (क्वाड ढांचागत समन्वय दल) का गठन भी किया गया है। इसके लिए क्वाड की ओर से 50 अरब डॉलर आवंटित किए गए हैं।

इसके अलावा छोटे समुद्र तटीय देशों या द्वीपीय देशों के निकट के सागरीय इलाके से गैरकानूनी तौर पर मछलियां पकड़ने जैसी चीन की हरकतों पर भी लगाम लगाने के इरादे से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। हिंद प्रशांत के सागरीय इलाके में सारे नियम कानूनों को तोड़ते हुए चीन जिस अंधाधुंध तरीके से मछलियां पकड़ रहा है, वह समुद्री जीवन के लिए तो खतरा है ही, समुद्री पर्यावरण को भी बिगाड़ रहा है। चीन की इन गतिविधियों पर काबू पाने के लिए क्वाड ने जो योजना बनाई है, उसमें भारत की अहम भूमिका होगी।

पिछले 14 महीनों के भीतर क्वाड की चौथी शिखर बैठक का होना काफी अहम है। पहली वर्चुअल शिखर बैठक चीन से दुनिया भर में फैली कोरोना महामारी के बैकग्राउंड में मार्च, 2021 में हुई थी। सितंबर, 2021 में वॉशिंगटन में चारों देशों के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में दूसरी शिखर बैठक हुई थी।

सूडोकू नवताल- 5347

***** कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -5346 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

अपना ब्लॉग

आकुस की स्थापना से भी घबराया चीन

मोहन। चीन क्वाड ही नहीं, आकुस की स्थापना से भी घबराया हुआ है। तोक्यो बैठक के दो दिन पहले चीन ने जो प्रतिकूल टिप्पणी की है, उससे सब पता चल जाता है। इससे लग रहा है कि आर्थिक, सामरिक और सुरक्षा क्षेत्र में चार बड़े देशों की यह एकजुटता चीन के सपनों पर पानी फेर देगी। चीन का 2047 तक दुनिया का नंबर एक देश बनने का लक्ष्य है। क्वाड की इसी संभावित चुनौती से चिंतित होकर चीन ने रूस के साथ दोस्ती गहरी की। लेकिन जिस तरह से यूक्रेन पर सैनिक अतिक्रमण करने के बाद रूस पूरी दुनिया से अलग–थलग हो गया है, वह चीन के आर्थिक और सामरिक मंसूबों को हासिल करने में सहायक नहीं हो पाएगा। इसके बाद मार्च, 2022 में फिर वर्चुअल शिखर वार्ता आयोजित हुई। इसके दो महीने बाद ही तोक्यो में चारों शिखर नेताओं की सशरीर मौजूदगी में हुई क्वाड शिखर बैठक ने यह आभास दिया कि ये देश दुनिया में शांति और स्थिरता को खतरा पहुंचाने वाली ताकतों की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए कमर कस कर एकजुट होंगे।

आलिया को बेटी तो वरुण को बेटा मानते हैं करण जौहर

ऐक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म रक्षाबंधन को लेकर बिजी चल रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया है। ये फिल्म राखी के त्यौहार पर अगस्त 2022 में रिलीज होगी। खास बात ये है कि रक्षाबंधन का क्लैश आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा से होने जा रहा है। हाल में ही एक प्रेस इवेंट में अक्षय कुमार ने करण जौहर संग अपने रिश्ते को लेकर प्रतिक्रिया दी। साथ ही करण जौहर को अपना मामाजी बताया। अक्षय कुमार ने कहा कि मैं उनके साथ 4 फिल्में कर चुका हूं। सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का ये वीडियो सामने आया है और तेजी से इंटरनेट पर वायरल भी हो रहा है। इस वीडियो में अक्षय कुमार से पूछा जाता है कि करण जौहर आलिया भट्ट को बेटी मानते हैं और वरुण धवन को बेटा। ऐसे ही आपके करण जौहर संग कैसे रिश्ते हैं। इस पर फनी जवाब देते हुए अक्षय कुमार ने कहा कि, मैं उनके साथ चार फिल्में कर चुके हैं। इस हिसाब से तो वह मेरे मामाजी हुए। मेरे उनके संग काफी अच्छे रिश्ते हैं। अभी आने से पहले ही मैं उनके संग बात करके आ रहा हूं।

दिनेश लाल यादव ने सोशल मीडिया पर दी ये दुखद खबर

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव ने एक दुखद खबर सोशल मीडिया पर शेयर की है। दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ ने बताया है कि उनके भाई का कार ऐक्सीडेंट हो गया है। दिनेश लाल यादव अपने भाई विजय लाल यादव को देखने के लिए निकल पड़े हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने भाई के ऐक्सिडेंट की खबर फैन्स से शेयर की है। छपतीनं ने लिखा है, दुःखद घटना, विरहा सम्राट बड़े भैया विजय लाल यादव जी की कार लखनऊ जाने के क्रम में दुर्घटना ग्रस्त हो गयी थी। हमारे प्रतिनिधि ने भैया से बात कराया, उन्हें इलाज के लिए वेदन्ता हॉस्पिटल ले जाया जा रहा है। प्रवेश लाल और कवि जी भी लखनऊ पहुंच रहे है। हम लोग भी जल्द भैया के पास पहुंच जाएंगे। बाबा विश्वनाथ भैया को जल्द स्वास्थ्य लाभ दें। दिनेश लाल यादव के इस पोस्ट पर फैन्स उनके भाई के ठीक होने की कामना कर रहे हैं। निरहुआ के फैन्स ने लिखा है–महादेव अपनी कृपा बनाए रखें बड़े भैया जल्द स्वस्थ हों। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय लाल यादव की फॉर्च्यूनर कार की स्पीड काफी तेज थी, जब वह अपने साथियों के साथ लखनऊ जा रहे थे।

हनुमान चालीसा बैन किया था, इन्हें तो शिव भी नहीं बचा पाएंगे

मौजूदा समय में महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस बड़ी उठापटक को लेकर बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत का रिएक्शन सामने आया है। सभी जानते हैं कि कंगना रनौत और उद्धव ठाकरे सरकार का हमेशा से ही छत्तीस का आंकड़ा रहा है। कई बार संजय राउत संग कंगना रनौत का हंगामा हुआ तो जब कंगना रनौत के ऑफिस पर बीएमसी ने बुलडोजर चलाया तो ये मामला और गरमा गया था। उस समय कंगना रनौत ने उद्धव ठाकरे सरकार को ललकारा था और कहा था कि आज मेरा घर टूटा है जल्द ही तेरा घर टूटेगा। ऐसे में जब उद्धव ठाकरे की सरकार गिरी तो सबसे पहले कंगना रनौत का रिएक्शन सामने आया है। कंगना रनौत ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में धाकड़ ऐक्ट्रेस कंगना कहती हैं, 1975 के बाद ये समय भारत के लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण समय है। साल 1975 में लोक नेता जय प्रकाश नारायण की एक ललकार से सिंहासन की जनता आती है और सिंहासन गिर गए थे। साल 2020 में मैंने कहा था कि लोकतंत्र एक विश्वास है। जो लोग सत्ता के घमंड में आकर जनता का विश्वास तोड़ते हैं तो उनका घमंड टूटना भी निश्चित होता है।

बिग बॉस में प्यार करना पड़ता है महंगा!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बिग बॉस एक ऐसा रियलिटी शो है, जो कंटेस्टेंट्स को या तो अर्श पर पहुंचा देता है या फर्श पर! इसमें जाने–माने या अनजाने लोग आते हैं और अपने बिहेवियर से ऑडियंस का दिल जीतते हैं। कई कंटेस्टेंट्स रातों–रात फेमस हो जाते हैं तो कई बदनाम भी। ठीक इसी तरह इस शो में जोड़ियां भी खूब बनती हैं। हर सीजन में कई कंटेस्टेंट्स के बीच इश्क विश्क देखने को मिलता है। कई शो से बाहर आने के बाद अलग हो जाते हैं तो कई सालों तक साथ रहते हैं। कइयों को तो इस शो के जरिए अपना हमसफर भी मिला है। लेकिन इस रिपोर्ट में हम उन जोड़ियों की बात करने जा रहे हैं, जो शो में तो खूब हिट रहीं, लेकिन स्क्रीन पर फिट नहीं रहीं। यानी शो से बाहर आने के बाद लाइमलाइट से गायब से हो गए हैं। चौंकिएगा मत, क्योंकि इस लिस्ट में आसिम रियाज, पारस छाबड़ा, एजाज खान ही नहीं, करण कुंद्रा सहित कई सितारों का नाम शामिल है। क्या ये इश्क में निकम्मा हो गए हैं!

करण कुंद्रा-तेजस्वी प्रकाश

बात करते हैं एकदम नए–नए कपल की। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश। अगर आप सोच रहे हैं कि इनकी तो तगड़ी फैन फॉलोइंग है। लोग इन्हें बहुत पसंद करते हैं और इनके वीडियो तो सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं तो हां, ये सच है। लेकिन काम के मामले की बात करें तो उसमें ये दोनों कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। तेजस्वी तो फिर भी एकता कपूर के शो नागिन 6 में नजर आ रही हैं, लेकिन करण के पास 1–2 शो होस्ट करने के अलावा और कुछ खास नहीं है। मतलब, पॉप्युलैरिटी तो खूब मिली, लेकिन वैसा काम अभी तक हाथ नहीं आया है।

अली गोनी-जैस्मीन भसीन

कुछ यही हाल अली गोनी–जैस्मीन भसीन ठींपद का भी है। दोनों तब भी साथ नजर आते हैं या कुछ भी पोस्ट करते हैं तो वो तुरंत वायरल हो जाता है। ट्विटर पर अक्सर रुरेंसलवितमअमत जैसे हैशटैग भी ट्रेंड होते रहते हैं, लेकिन दोनों म्यूजिक वीडियो के अलावा ज्यादा कुछ खास नहीं कर पाए।

एजाज खान-पवित्रा पुनिया

एजाज खान और पवित्रा पुनिया बिग बॉस 14 में नजर आए थे। दोनों का प्यार इसी शो से परवान चढ़ा था और अभी तक कायम है। दोनों चर्चा में रहते हैं, लेकिन करियर की बात करें तो अभी तक उन्हें कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला है।

आसिम रियाज-हिमांशी खुराना

आसिम रियाज और हिमांशी खुराना की लव स्टोरी उनके करियर की तरह ही उलझी हुई है। हिमांशी ने आसिम के लिए अपने मंगेतर से रिश्ता तोड़ दिया था। उन्होंने नेशनल टीवी पर आसिम के प्यार को कबूल किया था, लेकिन उनके रिश्ते पर हमेशा सवाल उठते रहे। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो दोनों सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के अलावा ज्यादा कुछ खास नहीं कर पाए हैं।

पारस छाबड़ा-माहिरा शर्मा

पारस छाबड़ा और माहिरा शर्मा जब बिग बॉस 13 में थे, तब दोनों अपने रिश्ते को दोस्ती का नाम देते थे। शो के अंदर माहिरा को कुछ खास पसंद नहीं किया गया था। वहीं, पारस तो कई बार सलमान खान के निशाने पर भी रहे। शो से बाहर आने के बाद दोनों अब तक साथ हैं। कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुके हैं। लेकिन इससे ज्यादा कुछ खास नहीं।

पुनीश शर्मा और बंदगी कालरा

पुनीत शर्मा और बंदगी कालरा भले ही ज्यादा चर्चा में नहीं रहते हैं, लेकिन इनकी प्यारी सी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। कई साल बीत जाने के बाद दोनों का साथ अभी भी बरकरार है।

नरगिस बोलीं– गंदे दिमाग की सड़ी उपज है ये

इस अफवाह ने तब इस हद तक सनसनी मचाई कि कई महीनों तक इस पर गॉसिप वाले कॉलम में कुछ न कुछ छपता रहा। किसी ने डिम्पल कपाड़िया के चेहरे की नरगिस से तुलना की, तो किसी ने मनगढ़ंत कहानियों का सहारा लेकर इस सनसनी को हवा दी। बता दें कि राज कपूर और नरगिस ने साल 1947 में आग से लेकर 1956 में जागते रहो तक 16 फिल्मों में साथ काम किया था।

बॉबी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। राज कपूर ने इस फिल्म में अपने दूसरे बेटे ऋषि कपूर के साथ डिम्पल कपाड़िया को कास्ट किया। 70 के दशक में भी यह फिल्म अपने जमाने से कहीं आगे थी। इस फिल्म ने जहां ऋषि कपूर को लवर बॉय वाली इमेज दी, वहीं डिम्पल कपाड़िया की बोल्ड अदाओं ने खूब सनसनी मचाई। उसी साल 1973 में सुपरस्टार राजेश खन्ना से शादी की। दिलचस्प है कि इस फिल्म में राज कपूर ने डिम्पल कपाड़िया के पहले सीन को ठीक उसी तरह फिल्माया था, जैसे वो पहली बार Nargis से मिले थे। फिल्म रिलीज हुई तो लोगों ने यहीं से उस बकवास अफवाह को हवा दी। कहा कि डिम्पल कपाड़िया असल में फिल्ममेकर और नरगिस की नाजायज संतान हैं।

कई साल बाद नरगिस ने तोड़ी थी चुप्पी

दिलचस्प है कि सनसनीखेज फर्जी अफवाह में राज कपूर, डिम्पल कपाड़िया, नरगिस और ऋषि कपूर का नाम खूब उछाला गया। लेकिन चारों में से किसी ने भी इस पर कुछ बोलना सही नहीं समझा। लेकिन फिर एक दिन नरगिस के सब्र का बांध टूटा। यह सब तब हुआ जब नरगिस ने सुनील दत्त से शादी कर ली थी। प्रिया दत्त, नम्रता दत्त और संजय दत्त का जन्म हो चुका था। इस इंटरव्यू के आखिर में नरगिस से पूछा गया कि क्या वह इस अफवाह के बारे में अब जाकर कुछ कहना चाहेंगी? बात पुरानी हो चुकी थी। नरगिस चाहतीं तो इस सवाल को इग्नोर कर सकती थीं। लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा नहीं किया। उसका सामना किया। नरगिस ने अपने जवाब में कहा, कैसे, कब और क्यों इन अफवाहों को हवा मिली, मैं नहीं जानती। मैं सिर्फ इतना कह सकती हूं कि यह किसी के गंदे दिमाग की सड़ी हुई उपज है। सिर्फ इसलिए कि बॉबी में डिम्पल कपाड़िया का किरदार आवारा फिल्म में मेरे रोल से थोड़ा मिलता–जुलता है और इसके अलावा थोड़ी बहुत और समानताएं हैं। कुछ घटिया लोगों ने इसे अलग रंग दे दिया। भगवान ऐसे लोगों को माफ करे और उन पर दया दिखाए। अगर ऐसा कुछ होता, तो मैं कभी अपनी बेटी को खुद से अलग नहीं करती।

लाइलाज बीमारी है फेस ब्लाइंडनेस, मिलने के बाद भूल जाते हैं लोगों का चेहरा

फेस ब्लाइंडनेस के लक्षण

- इससे पीड़ित व्यक्ति उन लोगों को नहीं पहचान पाते जिनसे वो अचानक मिलते हैं।
- सार्वजनिक मीटिंग्स में अकेले नहीं रहते हैं।
- दोस्त बनाने से कतराते हैं
- वे फिल्मों या शो की कहानी का समझने में मुश्किल होती है।

एक स्टडी के अनुसार कुल आबादी के 2.5 प्रतिशत लोग इस बीमारी से ग्रसित है। ऐसे में हमने बात की दिल्ली एनसीआर स्थित न्यूरोलॉजी, मारेंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल के एचओडी और सीनियर कंसल्टेंट डॉ नजीब उर रहमान से,और जाना कि क्या होता है Face Blindness? इसके लक्षण और उपचार के विकल्प। हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रर ब्रैड पिट ने भी अपने इस बीमारी के बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि वो लोगों को पहचान नहीं पाते और उन्हें इस बात से शर्म आती है। ब्रैड पिट ने कहा कि जब वो लोगों को इसके बारे में बताते हैं तो कोई उनकी बात पर यकीन नहीं करता।

क्या है फेस ब्लाइंडनेस

डॉक्टर नजीब बताते हैं कि प्रोसोपैग्नोसिया या फेस ब्लाइंडनेस की स्थिति से पीड़ित लोगों के लिए दुसरों के चेहरों को पहचानना लगभग असंभव होता है। यह आमतौर बचपन से ही होता है जो पूरे जीवन के लिए जारी रहता है। इससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। प्रोसोपैग्नोसिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए अपने निजी लोगों को पहचाने में भी दिक्कत आती है। कुछ मरीजों के साथ अपने स्वयं के चेहरे को आईने में या चित्रों में पहचान पाना मुश्किल हो जाता है।

कैसे होती है प्रोसोपैग्नोसिया की बीमारी

स्ट्रोक, दिमाग पर चोट, या कुछ न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के वजह से हो सकता है। कुछ मामलों में यह एक जन्मजात विकार हो सकता है, जो किसी भी मस्तिष्क क्षति के अभाव में जन्म के समय मौजूद होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर एंड स्ट्रोक के अनुसार प्रोसोपैग्नोसिया परिवारों में चलता है, जो इसे आनुवंशिक उत्परिवर्तन का परिणाम बनाता है।

क्या है इस गंभीर का इलाज

डॉक्टर नजीब बताते हैं कि प्रोसोपैग्नोसिया के लिए कोई विशिष्ट उपचार नहीं है, ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं जो चेहरे की पहचान में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। वैकल्पिक रणनीतियाँ जो व्यक्ति की पहचान में मदद कर सकती हैं जैसे कि व्यक्ति की आवाज, कपड़े या उनकी चलने की शैली कुछ लोगों के लिए काम कर सकती है। हालाँकि, ये तब सपाट हो सकते हैं जब वे किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं जिसे वे किसी अप्रत्याशित स्थान पर जानते हैं या जिन्होंने अपना रूप बदल लिया है।

एक्सपर्ट ने माना–नसों में जमा गंदे कोलेस्ट्रॉल को खत्म करेगा सप्लीमेंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल खराब जीवनशैली, खराब खानपान या एक जेनेटिक समस्या हो सकती है। वजह कुछ भी हो, शरीर में इसका बढ़ना सेहत के लिए खतरनाक है। स्वस्थ रहना है, तो आपको कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम ही रखने पर जोर देना चाहिए। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से खून की नसों यानी धमनियों में रुकावट या संकुचन हो सकता है, जिससे दिल का दौरा, स्ट्रोक, और अन्य दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

कोलेस्ट्रॉल कैसे कम करें?

डॉक्टर और एक्सपर्ट्स मानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप रोजाना एक्सरसाइज करें और फैट या तेल वाली चीजों का सेवन कम करें। अब सवाल यह है कि कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए क्या खाना चाहिए? शरीर में गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए आप कुछ सप्लीमेंट का सहारा ले सकते हैं। मेयो क्लिनिक के अनुसार, इसके लिए सबसे अच्छा सप्लीमेंट घुलनशील फाइबर है।

फाइबर क्या है?

फाइबर दो तरह का होता है। अघुलनशील फाइबर वो होता है, जो आपके पाचन तंत्र में बल्क बनाने में मदद करता है, तृप्ति में योगदान

देता है और पाचन को बेहतर बनाता है। घुलनशील फाइबर खाने की चीजों में कम पाया जाता है और यह खून के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

कोलेस्ट्रॉल को कैसे कम करता है घुलनशील फाइबर

वास्तव में घुलनशील फाइबर पाचन तंत्र में कोलेस्ट्रॉल वाली चीजों को बांध देता है, जिससे वो रक्तप्रवाह में अवशोषित नहीं हो पाते हैं। इससे आपके शरीर में ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जमा नहीं होता है। यही वजह है कि फाइबर खून में जमा गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकता है।

किन चीजों में पाया जाता है घुलनशील फाइबर

घुलनशील फाइबर प्राकृतिक रूप से बीन्स, एवोकैडो, जामुन और जई जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जा सकता है। इसके लिए आप सप्लीमेंट भी ले सकते हैं। सप्लीमेंट आमतौर पर उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है, जो नियमित रूप से घुलनशील फाइबर वाली चीजों का सेवन नहीं कर पाते हैं।

आपको कितने घुलनशील फाइबर की आवश्यकता है?

अध्ययन से पता चलता है कि प्रति दिन घुलनशील फाइबर के पांच से 10 ग्राम या अधिक, आपके रक्त में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के अन्य तरीके

घुलनशील फाइबर सप्लीमेंट लेने के अलावा, जीवनशैली में सुधार करने से आपको मदद मिल सकती है। अपने भोजन और नाश्ते में अधिक फाइबर वाली चीजें शामिल करें पशु प्रोटीन को पौधे–आधारित विकल्पों से बदलें। नट्स, बीज, जैतून का तेल और एवोकैडो का इस्तेमाल करें।

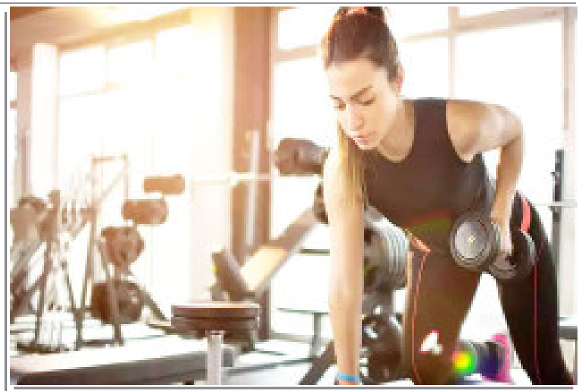

नमक को इस तरीके से खाकर करें एक्सरसाइज

मोटापा कम करना एक कठिन काम है जिसमें आपको एक्सरसाइज और डाइट दोनों का बराबर रूप से ध्यान रखना पड़ता है। बहुत से लोग हैं, जो वजन कम करने के लिए कोई भी तरीका अपनाने को तैयार हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वजन कम हमेशा हेल्दी तरीके से कम किया जाना चाहिए। एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने के लिए नियमित रूप से एक्सरसाइज करें और इस प्रक्रिया को तेज करने वाली चीजों का सेवन करें। यह सरल भी है और हेल्दी भी। वजन कम करने में मामले में यह भी मायने रखता है कि आप एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में क्या खाते हैं। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनका सेवन करने से आपको बेहतर तरीके से एक्सरसाइज करने में मदद मिल सकती है। नमक पानी को बनाए रखने में मदद करता है। यही वजह है कि एक्सरसाइज से पहले एक चुटकी नमक खाने से आपको वर्कआउट के दौरान डिहाइड्रेशन से बचने में मदद मिल सकती है। नमक का सेवन करने से ब्लड फ्लो में सुधार होता है और यही वजह है कि वर्कआउट के दौरान और बाद में मांसपेशियों में ऐंठन और जोड़ों के दर्द की संभावना कम रहती है।

डायबिटीज में दवा और जहर दोनों का काम करता है कटहल

कटहल कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन, खनिज, आहार फाइबर और फाइटोकेमिकल्स जैसे पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है। कटहल का फल सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद हो सकता है। कटहल के गुण और इसमें मौजूद पोषक तत्व इसे स्वास्थ्य वर्धक बनाते हैं। लेकिन, क्या मधुमेह रोगियों को इसका सेवन करना चाहिए? इसमें मौजूद विटामिन–ठ मधुमेह रोगियों के लिए इंसुलिन में सुधार कर सकता है। इसके अलावा, कटहल में एंटीडायबिटिक प्रभाव भी मौजूद होता है जो मधुमेह की समस्या को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। लेकिन इसके सेवन से संबंधित कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता। नहीं तो कटहल दवा की जगह जहर का काम करने लग जाता है। थकान, सिर दर्द, धुंधलापन दिखना, रेकर्रेंट संक्रमण (इम्युनिटी सिस्टम का कमजोर होना), प्राइवेट पार्ट में दिक्कत और दिल की धड़कन तेज होना डायबिटीज के शुरुआती लक्षण है। इनमे से कोई भी एक लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कैंसर जैसी गंभीर समस्या की रोकथाम के लिए कटहल का सेवन करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

मानसून में गठिया का दर्द दूर करने के लिए पक्का इलाज

आर्थराइटिस या गठिया एक जोड़ों से जुड़ी हुई समस्या है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में जोड़ों में दर्द और इसके कारण सूजन बनी रहती है। आजकल इसकी समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है क्योंकि अनुचित आहार–विहार के कारण हमारे शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है और यह बढ़ा हुआ स्तर जोड़ों में दर्द का बनता है। गठिया रोग वैसे तो कई प्रकार के होते हैं लेकिन दो प्रकार के अर्थराइटिस की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। ऑस्टियो अर्थराइटिस और रूमेटाइट अर्थराइटिस से लोग ज्यादा पीड़ित होते हैं। अर्थराइटिस की समस्या पहले 30 वर्ष से ऊपर के लोगों को होती थी मगर अब यह समस्या युवाओं को भी हो रही है। अर्थराइटिस की बीमारी वंशानुगत तौर पर भी होती है, अगर परिवार में किसी को अर्थराइटिस है तो इसकी भावी पीढ़ी को भी होने की संभावना रहती है। अर्थराइटिस के कारण कोई भी हो मौसम के बदलने का इस पर काफी असर पड़ता है। मानसून का मौसम दस्तक दे रहा है और इस बदलते मौसम में हम इसे कैसे नियंत्रित कर सकते हैं। अर्थराइटिस या जोड़ो में दर्द का एक आम कारणयूरिक एसिड भी है। लहसुन यूरिक एसिड को कम करने में कारगर होता है इसलिए अर्थराइटिस के रोगियों को लहसुन का सेवन करना चाहिए।

बुमराह का करियर

जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम के लिए साल 2018 में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। डेब्यू के बाद से वह टीम इंडिया के लिए 29 टेस्ट खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने 21.73 की औसत से 123 विकेट हासिल किए हैं। टेस्ट के अलावा वह भारत के लिए 70 वनडे और 57 टी20 मैच भी खेले हैं। वनडे में उन्होंने भारत के लिए 113 विकेट लिए हैं जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 67 विकेट झटके हैं।

जसप्रीत बुमराह ने सिक्का उछलते ही रचा इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 5वां टेस्ट मैच बर्मिघम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के लिए जैसे ही टॉस उछला जसप्रीत बुमराह ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह कपिल देव के बाद भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। महामारी कोविड–19 से जूझ रहे नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह को यह जिम्मेदारी दी गई है। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। कपिल देव ने 1987 में भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी आखिरी बार की थी। उसके बाद से कप्तानी के मामले में बल्लेबाजों का बोल बाला रहा, जबकि अनिल कुंबले के रूप में लंबे समय तक एक स्पिन कप्तान भी भारत को मिला। देखा जाए तो मौजूदा समय में तेज गेंदबाज पैट कमिंस ऑस्ट्रेलिया और बेन स्टोक्स इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे हैं। कपिल देव ने भारत के लिए 1983 से 1987 के बीच 34 टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। टीम ने उनकी कप्तानी में 4 टेस्ट में जीत हासिल की थी जबकि 7 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था।

चेतेश्वर पुजारा को बुमराह की जगह कप्तान बनाना ज्यादा अच्छा होता

क्रिकेट

वसीम जाफर ने बताया बुमराह को कप्तानी करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं

रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले कोविड पाजिटिव हो गए थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वसीम जाफर ने जसप्रीत बुमराह को एजबेस्टन टेस्ट मैच के लिए कप्तान बनाए जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। जाफर का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की जगह अगर चेतेश्वर पुजारा को कप्तान बनाया जाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि जसप्रीत बुमराह को कप्तानी करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं है और इसकी वजह से ही उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ इतने बड़े मैच के लिए कप्तान बनाने का फैसला बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

आपको बता दें कि भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले कोविड पाजिटिव हो गए थे और इसकी वजह से उनकी जगह बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी दी गई। अब एजबेस्टन टेस्ट में बुमराह टीम के कप्तान हैं और वो भारत के 36वें टेस्ट कप्तान भी बन गए। वहीं रिषभ पंत को टीम का उप–कप्तान नियुक्त किया गया।

वसीम जाफर ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बात करते हुए कहा कि चेतेश्वर पुजारा को मैंने फर्स्ट क्लास मैचों में कप्तानी करते हुए देखा है। वो एक शानदार लीडर है साथ ही उनके पास 90–95 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। इन सबकी वजह से मुझे लगता है कि पुजारा को कप्तान बनाने का फैसला ज्यादा सही होता।

हालांकि बुमराह टीम के उप–कप्तान थे इसकी वजह से उन्हें कप्तानी मिलनी ही थी, लेकिन इस मैच की अहमियत को देखते हुए मैं पुजारा को कप्तान बनाता। बुमराह ने अब तक कहीं भी कप्तानी नहीं की है और बिना किसी अनुभव के इस तरह की मैच में कप्तानी करना आसान नहीं होगा। हालांकि हो सकता है कि हार्दिक पांड्या की तरह से वो भी हमें चौंका दें।

विराट कोहली के इर्द–गिर्द ही घूमेगा फाइनल टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पहली बार कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम पिछले साल अधूरे छूटी सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट के लिए इंग्लैंड के खिलाफ उतरी। मैनचेस्टर से बर्मिंघम तक के सफर में काफी कुछ बदल गया है। इंग्लैंड की टीम ने जहां अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है तो भारत की तैयारी उतनी पुख्ता नहीं हैं। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर रहे हैं।

खत्म होगा विराट का इंतजार! विराट कोहली सिर्फ एक शतक दूर हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकी पॉन्टिंग के 71 शतक की

मैनचेस्टर से बर्मिघम तक के सफर में काफी कुछ बदला

बराबरी करने से। विराट ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। उसके बाद से उनके बल्ले से कोई शतक नहीं निकला है। टेस्ट में 27 शतक लगा चुके विराट ने लेस्टरशर काउंटी टीम के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में अपनी लय दिखाई थी और उम्मीद जताई जा रही है कि वह इस लय को बरकरार रखते हुए अपनी इस पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ शतक के इस इंतजार को खत्म कर देंगे।

जेम्स एंडरसन लेंगे कड़ी परीक्षा विराट की राह में सबसे बड़ा रोड़ा इंग्लिश पेसर जेम्स एंडरसन हो सकते हैं, जिन्होंने साल 2012 के बाद से टेस्ट क्रिकेट में उन्हें सात बार आउट किया है। साल 2014 के दौरे पर एंडरसन ने कोहली को अपनी गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाने दिए थे और उन्हें चार बार पवेलियन भेजा था। लेकिन 2018 के दौरे पर कोहली ने इस पेसर को एक बार भी अपना विकेट नहीं दिया और उनकी गेंदों पर कुल 114 रन बनाए।

अतिरिक्त मेहनत चाहिए: रोहित और राहुल की गैर मौजूदगी में भारत को बल्लेबाजी में ज्यादा मेहनत करनी होगी। कोच द्रविड़ को विराट कोहली से मैच जिताने वाली पारी की उम्मीद है। जेम्स एंडरसन का सामना करना शुभमान गिल या श्रेयस अय्यर के लिए आसान नहीं होगा। हनुमा विहारी मजबूत खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग की जरूरत है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 की सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को 7 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और उसके बाद वनडे खेलनी है। दोनों सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो गई है। तीन मैच की टी20 सीरीज के लिए दो टीम चुनी गई है। पहले मैच के लिए अलग और उसके बाद दो मैच के लिए अलग। सभी मैचों में रोहित शर्मा ही टीम की कप्तानी करेंगे। टेस्ट सीरीज में शामिल खिलाड़ी पहले मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। आईपीएल में धमाल मचाने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को वनडे टीम में मौका मिले है। अब अर्शदीप को वनडे टीम में भी शामिल किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में धमाल मचाने वाले विकेटकीपर संजू सैमसन को सिर्फ पहले टी20 मैच के लिए चुना गया है। प्रमुख खिलाड़ियों के टीम में आने के बाद उन्हें बाहर होना पड़ेगा। राहुल त्रिपाठी भी पहले मैच के बाद टीम के साथ नहीं रहेंगे। आईपीएल से पहले तक हार्दिक पंड्या का विकल्प माने जा रहे वेंकटेश अय्यर भी सिर्फ पहले टी20 में हिस्सा का हिस्सा होंगे। ऋतुराज गायकवाड़ भी पहले मैच टी20 में रहेंगे।

न्यूज डायरी

लियोन की गेंदबाजी के दमपर आस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के बीच गाले स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया ने महज 3 दिनों में श्रीलंका को 10 विकेट से हरा दिया है। आस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 5 रन बनाने थे जो उसने बिना किसी विकेट के 4 गेंदों पर बना लिया। इस जीत के साथ ही आस्ट्रेलिया ने 2 मैचों की इस सीरीज में 1–0 से बढ़त ले ली है। आस्ट्रेलिया की तरफ से इस जीत के हीरो रहे नाथन लियोन जिन्होंने इस मैच में कुल 9 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 5 जबकि दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। नाथन लियोन और ट्रविस हेड की घातक गेंदबाजी के कारण श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 113 रन बनाकर आलआउट हो गई। श्रीलंका की टीम आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने केवल 22.5 ओवर में ही आउट हो गई। श्रीलंका की बल्लेबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टीम की तरफ से सर्वाधिक स्कोर करुणारत्ने के नाम रहा जिन्होंने 14 रनों की पारी खेली। इससे पहले टी20 सीरीज में आस्ट्रेलिया ने जबकि वनडे सीरीज में श्रीलंका ने जीत दर्ज की थी।

बुमराह को कप्तानी देना उनके लिए हो सकता है बहुत ही ज्यादा घातक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया की कप्तानी की कमान जसप्रीत बुमराह के हाथों में सौंपी गई क्योंकि रोहित शर्मा कोविड पाजिटिव होने की वजह से इस टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे। कपिल देव के बाद ऐसा दूसरा मौका है जब किसी तेज गेंदबाज के हाथों में भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर एश्ले जाइल्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी। जाइल्स का मानना है कि बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी देने से भ्रम पैदा होने की संभावना है। बुमराह को भारत का सबसे ताकतवर स्ट्राइक गेंदबाज बताते हुए जाइल्स ने कहा कि वो इस बात की दुविधा में हो सकते हैं कि खुद को बर्मिघम के एजबेस्टन में कैसे इस्तेमाल किया जाए। हालांकि ये सबसे दिलचस्प बात है कि आपने अपनी टीम के सबसे शक्तिशाली और अपने बेस्ट स्ट्राइकर को कप्तान बनाया है। बतौर तेज गेंदबाज कपिल देव ने भारत के लिए पहली बार 1986 में टेस्ट टीम की कप्तानी की थी।

नीरज चोपड़ा ने 16 दिन में ही तोड़ा अपना नेशनल रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) स्टॉकहोम (स्वीडन)। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से भाला फेंक में अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया है। स्टॉकहोम डायमंड लीग में नीरज ने 89.94 मीटर का लंबा थ्रो किया। 14 जून को नीरज ने पावो नुरमी गेम्स में 89.03 मीटर लंबा का थ्रो किया था। अब उन्होंने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है लेकिन एक बार फिर 90 मीटर को क्रॉस करने से चूक गए। ओलिंपिक में गोल्ड जीतने के बाद नीरज ने जून में ही फील्ड पर वापसी की है। नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही थ्रो पर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने दूसरा थ्रो 84.37, तीसरा थ्रो 87.46, चौथा थ्रो 84.67, पांचवा थ्रो 86.67, छठा थ्रो 86.84 मीटर का फेंका। इस दौरान उन्होंने एक भी फाउल थ्रो नहीं किया। टोक्यो ओलिंपिक के बाद यह नीरज का तीसरा इवेंट था।

वर्ल्ड नंबर–1 स्विटेक की लगातार 37वीं जीत, हारीं सानिया मिर्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विटेक ने विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के तीसरे राउंड में जगह पक्की कर ली है। डच लेस्ली पट्टिनामा केरखोव से इगा को कड़ी टक्कर मिली लेकिन अंत में उन्होंने मुकाबले को 6–4, 4–6, 6–3 से अपने नाम कर लिया। यह इगा की लगातार 37वीं जीत है। वहीं दो बार की ऑल इंग्लैंड क्लब चौंपियन पेत्रा क्वितोवा ने एना बोगडान की चुनौती समाप्त कर तीसरे दौर में जगह बनायी। क्वितोवा ने बोगडान को दो सेट में 6–1, 7–6 से हरा दिया। वहीं, स्पेन के रोबर्टो बतिस्ता अगुट कोविड–19 पॉजिटिव आने के कारण टूर्नामेंट से हट गये।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने वरिष्ठ पत्रकार, डा. आर.के. वर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं फिल्मकार डा. आर.के. वर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

तीन दिन तक टापू में फंसा रहा एक बाबा

संवाददाता ऋषिकेश। लक्ष्मण झूला और रामझूला के मध्य गंगा के बीच टापू में एक साधु बाबा तीन दिन से फंसा था। पास में संपर्क का कोई साधन ना होने के कारण वह किसी से मदद भी नहीं मांग पा रहा था। स्थानीय नागरिकों की सूचना पर एसडीआरएफ की टीम ने शुक्रवार की दोपहर रेस्क्यू कर बाबा को सुरक्षित टापू से निकाला।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

संवाददाता देहरादून। एक तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराने से दो लोग घायल हो गये। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गयी वहीं दूसरे को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कार में घायल पड़े लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

शेल ने शुरू की यूज्ड ऑयल मैनेजमेंट सर्विस

संवाददाता देहरादून। शेल ने यूज्ड ऑयल मैनेजमेंट सर्विस (इस्तेमाल किए जा चुके तेल के मैनेजमेंट की सेवा) की शुरुआत की। यह भारत में इस्तेमाल किए जा चुके तेल के निपटाने की प्रणाली को व्यवस्थित बनाने और रि–रिफाइनिंग की दर को बढ़ाने का एक नया प्रयास है, ताकि कचरे को कम करते हुए सर्कुलर इकोनॉमी के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। यह प्रयास 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की शेल की प्रतिबद्धता के तहत शुरू किया गया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 की पहली छमाही में सारे रिकॉर्ड्स तोड़े

संवाददाता देहरादून। मॉनसून ने देश में दस्तक दे दी है और स्कोडा ऑटो इंडिया में भी रिकॉर्ड्स की बारिश हो रही है 2018 में शुरू हुई इंडिया 2.0 की कोशिश के चलते कंपनी बिक्री के अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है और महीने दर महीने नये रिकॉर्ड बना रही है जून 2022 में 6,023 स्कोडा को अपना नया घर मिला यह मार्च 2022 में 5,608 यूनिट्स का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बाद हुआ। यूनिट्स की वार्षिक बिक्री से ज्यादा बिक्री 2022 की पहली छमाही में ही 28,899 यूनिट्स की बिक्री से दर्ज की है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया कन्याश्री कार्यक्रम में प्रतिभाग

शुभारम्भ

■ सामाजिक विकास में स्वयंसेवी संस्थाओं का बताया विशेष योगदान

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रोटरी क्लब सेवा, सहायता एवं समर्पण का पर्याय बन चुका है और समाज सुधार में बेहतर कार्य कर रहा है। ऐसी संस्थाएं जब भी आगे आकर जनहित में काम करती हैं तो और अधिक तेजी से सामाजिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि अपने लिए कोई भी जी सकता है, परन्तु अच्छा जीवन वह है जो दूसरों के लिए जिया जाये। समाज एवं देशहित में काम करने वाला व्यक्ति लम्बे समय तक याद किया जाता है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने जनपद ऊधमसिंहनगर में रामनगर रोड स्थित होटल अनन्या में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कन्याश्री कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ने निःस्वार्थ सेवाएं देने व समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है। रोटरी क्लब राज्य की 25वी वर्षगांठ तक के लिए कोई न कोई लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें ताकि उस कार्य को पूरे विश्व में रोटरी क्लब नजीर के रूप में पेश कर सके। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कक्षा 9 से 11 तक की 200 बालिकाओं को साइकिल वितरित की गई।

उन्होंने 117 वर्ष के इतिहास में पहली बार किसी महिला के रोटरी क्लब का अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर जेनिफर ई.जोन्स के साथ ही रोटरी क्लब के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का देवभूमि उत्तराखण्ड में स्वागत करते हुए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब के डिस्टिक गवर्नर पवन अग्रवाल की यह वास्तव में एक अच्छी पहल है। इससे रोटरी क्लब भारतवर्ष में पहचान बना रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगे भी रोटरी क्लब इसी तरीके के कार्य करता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जो छात्राएं काफी दूर से पैदल चलकर स्कूल आती है उनके लिए क्लब ने एक बहुत अच्छी शुरुआत की है, इससे छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, समय की बचत होने के साथ कि उनकी पढ़ाई में भी रूचि रहेगी। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बेटियों के मान–सम्मान एवं मातृ शक्ति के उत्थान हेतु हरियाणा से शुरू की गई बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना आज पूरे देश में चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु 10 साल का रोड मैप तैयार हो। राज्य जब अपनी 25वी वर्षगांठ मना रहा होगा तब राज्य सभी क्षेत्रों में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूर्व जज रंजन प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है उन्होंने कहा कि मानस मन्दिर माला योजना के अन्तर्गत कुमाउं के मन्दिरों का सौन्दर्यकरण एवं विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन के प्रति कटिबद्ध है। राज्य में भ्रष्टाचार को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। राज्य में भ्रष्टाचार पर सीधे वार हेतु 1064 नम्बर जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति भ्रष्टचार से सम्बन्धित शिकायत दर्ज करा सकता है, शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान गोपनीय रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस बार कावड़ यात्रा में 4 करोड़ से अधिक शिव भक्तों के पहुॅचने की संभावना है, कावड़ में आने वाले शिव भक्तों का देवभूमि में स्वागत है।

1905 में रोटरी क्लब का हुआ गठन

रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पवन अग्रवाल ने बताया कि रोटरी क्लब की विश्व के तमाम देशों में शाखाएं हैं। 1905 में रोटरी क्लब का गठन हुआ। श्री पवन अग्रवाल ने बताया कि 117 वर्ष के इतिहास में पहली बार कोई महिला कनाडा जेनिफर लोन रोटरी की अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष बन रही है। देशभर में महिलाओं के लिए कन्या श्री योजना के तहत साइकिल वितरण का कार्यक्रम हो रहे हैं।

शराब की ओवर रेटिंग की शिकायतों पर डीएम के कार्यवाही के निर्देश

निर्देश

■ बीयर की बोतल पर 20 रु की ओवर रेंटिग पर 75 हजार का चालान

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हो रही शराब की ओवर रेटिंग की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जिला आबकारी अधिकारी को अवस्थित शराब की दुकानों में 'यहाँ पर ओवर रेटिंग नहीं की जाती है, का बैनर/फ्लैक्स लगाने तथा शराब की ओवर रेटिंग करने व बैनर पोस्टर चस्पा न करने वाली दुकानों पर अर्थदण्ड की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे।

जिलाधिकारी को प्राप्त हुई शिकायत पर आज आबकारी विभाग के टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गोपनीय तरीके से विदेशी मदिरा डांडा लखौंड में शराब विक्रेता से बीयर एवं शराब की बोतल क्रय की गई। उक्त दुकान में बीयर की प्रति बोटल पर 20 रूपये अतिरिक्त ओवर रेटिंग करते हुए पाया गया, जिस पर टीम द्वारा 75 हजार रूपये का चालान किया गया।

जनपद अवस्थित शराब की दुकानों के निरीक्षण के दौरान डांडा लखौंड स्थित विदेशी शराब की दुकान में प्रति बीयर की बोटल पर एम.आर.पी. से 20 रूपये अतिरिक्त लिया जाना पाया गया। जिस पर कार्यवाही करते हुए 75 हजार का चालान किया गया। टीम द्वारा उक्त दुकान के अनुज्ञापी एवं विक्रता को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि डीएम के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करेंगे। दुकान में किसी भी प्रकार की ओवर रेटिंग ना हो इस बात को गंभीरता से लेना सुनिश्चित करें। दुकान में "यहां पर ओवर रेटिंग नहीं की जाती है" का पोस्टर बैनर ठीक प्रकार से चस्पा होना चाहिए। तथा भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति होने पर निर्धारित प्राविधानों के अनुसार सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी आर राजेश कुमार ने अवगत कराया कि जनपद में शराब की ओवर रेटिंग न हो इसके लिए आबकारी विभाग को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

नई शिक्षा नीति के तहत 30 छात्रों पर एक टीचर का होना जरूरी

संवाददाता देहरादून। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए राज्य में यह पहला शैक्षिक चिंतन शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस तरह के शैक्षिक चिंतन शिविर में बुलाया जायेगा। इस तरह के शैक्षिक चिंतन शिविरों के आयोजन से शिक्षा के क्षेत्र में आगे का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत 30 छात्रों पर एक टीचर का होना जरूरी है।

उत्तराखण्ड में अभी 15 छात्रों पर एक टीचर है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला उत्तराखण्ड पहला राज्य बनने जा रहा है। नई शिक्षा नीति राज्य में बहुत जल्द लागू हो जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में नई शिक्षा नीति के तहत सिलेबस परिवर्तित किया जा रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा, योग, वेद, पुराणों, स्थानीय बोलियों एवं संस्कृत आधारित शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

In a Digital World Why
To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।